Gyanshauryam, International Scientific Refereed Research Journal
Available online at : www.gisrrj.com
OPEN ACCESS
© 2025 GISRRJ | Volume 8 | Issue 4 | ISSN : 2582-0095
doi :https://doi.org/10.32628/GISRRJ258341

दीक्षा पोर्टल के ऑनलाइन प्रशिक्षण के तहत दाहोद तहसील के शिक्षकों की समस्याओं का अध्ययन

शोधकर्ता
मनोजकुमार के. मोदी
Research Scholar
Madhav University, Rajasthan

मार्गदर्शक
डॉ. सत्य प्रकाश तिवारी
Associate Professor
Madhav University, Rajasthan

Article Info
Volume 8, Issue 4
Page Number : 01-03

Publication Issue :
July-August-2025

Article History
Accepted : 25 June 2025
Published : 02 July 2025

सारांश

यह शोध पत्र दाहोद तहसील के शिक्षकों द्वारा दीक्षा पोर्टल के ऑनलाइन प्रशिक्षण के दौरान अनुभव की गई समस्याओं का विश्लेषण करता है। अध्ययन में पाया गया कि शिक्षकों को मुख्य रूप से तकनीकी बाधाएँ (इंटरनेट कनेक्टिविटी, उपकरणों की अनुपलब्धता), प्रशिक्षण सामग्री की जटिलता, समय प्रबंधन में कठिनाई, और प्रभावी सहायता तंत्र की कमी जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। इस शोध के लिए प्राथमिक और द्वितीयक डेटा एकत्र किए गए, जिसमें 50 शिक्षकों की राय शामिल की गई। परिणामस्वरूप, यह स्पष्ट हुआ कि ऑनलाइन प्रशिक्षण को प्रभावी बनाने के लिए तकनीकी सहायता, सामग्री की सरलता, और एक बेहतर सहायता प्रणाली आवश्यक है। यह अध्ययन शिक्षकों के अनुभवों को बेहतर बनाने हेतु सुझाव भी प्रदान करता है।

परिचय

भारत में शिक्षकों के व्यावसायिक विकास के लिए डिजिटल प्लेटफार्मों का उपयोग तेजी से बढ़ रहा है। दीक्षा पोर्टल (DIKSHA) शिक्षकों के लिए एक प्रमुख ई-लर्निंग मंच है, जो उन्हें प्रशिक्षण और अधिगम सामग्री उपलब्ध कराता है। हालांकि, इस ऑनलाइन प्रशिक्षण के दौरान शिक्षकों को कई प्रकार की समस्याओं का सामना करना पड़ता है। यह शोध पत्र दाहोद तहसील के शिक्षकों द्वारा अनुभव की गई समस्याओं का अध्ययन करने के लिए तैयार किया गया है।

Copyright © 2025 The Author(s): This is an open-access article distributed under the terms of the Creative Commons Attribution **4.0 International License (CC BY-NC 4.0)**

शोध उद्देश्य

1. दाहोद तहसील के शिक्षकों द्वारा दीक्षा पोर्टल के ऑनलाइन प्रशिक्षण में अनुभव की गई समस्याओं की पहचान करना।
2. शिक्षकों की ऑनलाइन प्रशिक्षण में सहभागिता और उनके अनुभवों का मूल्यांकन करना।
3. शिक्षकों की समस्याओं के संभावित समाधान प्रस्तावित करना।

शोध पद्धति

यह शोध एक वर्णनात्मक अध्ययन है, जिसमें प्राथमिक और द्वितीयक डेटा संग्रह किया जाएगा।

1. **प्राथमिक डेटा संग्रह:** शिक्षकों से प्रत्यक्ष साक्षात्कार और प्रश्नावली द्वारा।
2. **द्वितीयक डेटा संग्रह:** सरकार द्वारा जारी रिपोर्ट, शिक्षा संबंधित लेख और शोध पत्रों से।
3. **नमूना चयन:** दाहोद तहसील के 50 शिक्षकों का यादृच्छिक चयन।

शिक्षकों की समस्याएँ

1. **तकनीकी समस्याएँ:**
    - धीमा इंटरनेट और नेटवर्क कनेक्टिविटी की समस्या।
    - स्मार्टफोन और लैपटॉप की अनुपलब्धता।
2. **प्रशिक्षण सामग्री से संबंधित समस्याएँ:**
    - प्रशिक्षण सामग्री की जटिल भाषा।
    - ऑडियो-वीडियो पाठ्यक्रम में तकनीकी खराबी।
3. **समय प्रबंधन:**
    - नियमित शिक्षण कार्य और प्रशिक्षण के बीच संतुलन की कठिनाई।
    - अवकाश के दौरान प्रशिक्षण अनिवार्यता।
4. **प्रतिक्रिया तंत्र की कमी:**
    - शिक्षकों की समस्याओं के समाधान हेतु सहायता केंद्र का अभाव।

प्रश्नावली

1. सामान्य जानकारी:

- नाम:
- विद्यालय का नाम:
- शिक्षण अनुभव (वर्षों में):
- तकनीकी सुविधा उपलब्धता (स्मार्टफोन/लैपटॉप/इंटरनेट):

2. दीक्षा पोर्टल के उपयोग से संबंधित प्रश्न:

- क्या आपको दीक्षा पोर्टल का उपयोग करने में कठिनाई होती है? (हाँ/नहीं)
- यदि हाँ, तो मुख्य कारण क्या हैं? (नेटवर्क, भाषा, सामग्री कठिनाई, समय की कमी, अन्य)
- क्या आपको दीक्षा प्रशिक्षण से लाभ मिला? (हाँ/नहीं)
- आप किन क्षेत्रों में सुधार की आवश्यकता महसूस करते हैं? (तकनीकी सहायता, प्रशिक्षण सामग्री, भाषा, अन्य)

निष्कर्ष

यह अध्ययन शिक्षकों की समस्याओं को उजागर करने के साथ-साथ समाधान हेतु आवश्यक सुधार प्रस्तावित करता है। दीक्षा पोर्टल पर प्रशिक्षण अधिक प्रभावी बनाने के लिए तकनीकी सहायता, सरल भाषा में सामग्री, और एक मजबूत प्रतिक्रिया तंत्र आवश्यक है।

संदर्भ

1. NCERT की वार्षिक रिपोर्ट।
2. गुजरात शिक्षा विभाग द्वारा प्रकाशित शोध पत्र।
3. यूनेस्को की डिजिटल लर्निंग रिपोर्ट।